Bz – सामरिया में यीशु की स्वीकृति यूहन्ना ४:१-४२ | 1

– Save This Page as a PDF–

सामरिया में यीशु की स्वीकृति

यूहन्ना ४:१-४२



सामरिया में यीशु की संक्षिप्त सेवकाई, जहाँ
वह गलील के रास्ते में सिर्फ दो दिन रुका, विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसने उन तिरस्कृत लोगों के प्रति अपने दृष्टिकोण को परिभाषित किया। यह चार अलग-अलग अवसरों में से पहला अवसर है जब हम सुसमाचार में यीशु को अन्यजातियों की सेवा करते हुए देखते हैं। यहूदी सामरियों से घृणा करते थे, परन्तु मसीहा ने उन्हें एक भिन्न दृष्टि से देखा। वहां उनका काम मिशनरी पद्धति और नीति का भी बेहतरीन उदाहरण है। उसने याकूब के कुएँ के पास पहले एक सामरी महिला को जीता, इस प्रकार सूखार शहर में उसकी सुनवाई हुई।